

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राज-पत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	वैशाख 30, बुधवार, शाके 1942- मई 20, 2020 Vaisakha 30, Wednesday, Saka 1942- May 20, 2020	

भाग 6 (क)
नगरपालिकाओं संबंधी विज्ञप्तियां आदि।
स्वायत्त शासन विभाग
अधिसूचना
जयपुर, जनवरी 30, 2020

संख्या प.8(ग)(अपशिष्ट प्लास्टिक)नियम/डीएलबी/19/39790:-यतः अपशिष्ट प्लास्टिक नियम, 2016, समय-समय पर यथा संशोधित, के नियम 6 के उप-नियम (4) में स्थानीय निकायों को उप-विधियां बनाये जाने का प्रावधान है;

औरतः राज्य सरकार द्वारा निर्देश दिए जाने के उपरांत भी राज्य की किसी भी नगर पालिका द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का केंद्रीय अधिनियम स.29) के अधीन बनाये गये अपशिष्ट प्लास्टिक नियम, 2016 समय-समय पर यथा संशोधित, के नियम 6 के उप-नियम (4), के प्रावधानानुसार उप-विधियां विरचित नहीं की गई हैं;

अतएव अब राज्य सरकार राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 की धारा 337 की उप-धारा (4) सपठित धारा 340 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये राज्य के नगर निगम/नगर परिषद/नगर पालिका क्षेत्रों में अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधनकार्य को विनियमित करने के प्रयोजनार्थ एतद्वारा निम्नलिखित उप-विधियां बनाती है अर्थात:-

संक्षिप्त नाम व प्रारंभ.-(1) ये उप-विधियां राजस्थान नगर पालिका (अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधन) उप-विधियां, 2020 कहलायेगी |

(2) ये उप विधियां राजस्थान राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

लागू होना.-ये उप-विधियां राज्य के समस्त नगर निगम/नगर परिषद/नगर पालिका के संपूर्ण सीमा क्षेत्र में प्रभावशील होगी |

परिभाषाएँ.-(1) इन उप-विधियों में, जब तक की संदर्भ में अन्यथा अभिप्रेत न हो,-

“अधिनियम”(Act) से पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का केंद्रीय अधिनियम स.29) अभिप्रेत है;

“अनुकल्पिक उपयोग”(Alternate Use) से किसी सामग्री का उस प्रयोजन से भिन्न, जिसके लिए उसकी परिकल्पना की गई थी, ऐसा उपयोग अभिप्रेत है, जो इसलिए फायदाप्रद है, क्योंकि इससे संसाधन कार्य कुशलता में अभिवृद्धि होती है;

“ब्रांड स्वामी”(Brand Holder) ऐसे व्यक्ति या कंपनी से अभिप्रेत है जो किसी पंजीकृत ब्रांड लेबल के तहत कोई वस्तु बेचता है;

“कैरी बैग”(Carry Bag) से प्लास्टिक सामग्री या कंपोस्ट योज्य प्लास्टिक सामग्री से बनाया गया, ले जाने या वस्तुएं तैयार करने के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त बैग अभिप्रेत है जिसमें स्वतः ले जाने की विशिष्टता है किंतु इसमें ऐसा बैग सम्मिलित नहीं है जो ऐसी पैकेजिंग गठित करता है या अभिन्न भाग बनता है जिसमें माल को उपयोग के पूर्व सील किया जाता है;

“वस्तु”(Commodity) से ऐसा मूर्त मद अभिप्रेत है जिसे खरीदा या बेचा जा सके और इसमें सभी पण्य माल या सौदा सम्मिलित है;

“कम्पोस्ट योज्य प्लास्टिक”(Compostable Plastic) से ऐसी प्लास्टिक अभिप्रेत है जो जैविकीय प्रक्रियाओं द्वारा विघटनीय होने के दौरान कार्बन-डाइ-ऑक्साइड, जल अकार्बनिक यौगिकों को कम्पोस्ट करती है और अन्य ज्ञात कंपोस्ट योज्य सामग्रियों के साथ जैव भार की समरूप दर है और जो दृश्य विशेषणीय या विषक्त अपशिष्ट नहीं छोड़ती है;

“सहमति”(Consent) से जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का केंद्रीय अधिनियम संख्या 6) और वायु (प्रदूषण निवारण या नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का केंद्रीय अधिनियम संख्या 14) के अधीन संबद्ध राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या प्रदूषण नियंत्रण समिति से स्थापित करने की सहमति और उसे चलाने की सहमति अभिप्रेत है;

“विघटन”(Disintegration) से किसी सामग्री का बहुत छोटे भागों में भौतिक रूपों में भंजन अभिप्रेत है;

“ऊर्जा की पुनः प्राप्ति”(Energy Recovering) से अपशिष्ट से ऊर्जा की पुनः प्राप्ति अभिप्रेत है, जो कि विभिन्न प्रक्रियाओं, जिनके अंतर्गत दहन, गैसीकरण, उत्ताप विच्छेदन (पायरोलाइजेशन), निर्वात उपचारण (एनेरोबिक डाइजेशन) और खत्ते से गैस की पुनः प्राप्ति भी है, के माध्यम से अपशिष्ट माल का प्रयोग योग्य उष्मा, विद्युत या ईंधन में संपरिवर्तन किया जाना है;

“विस्तारित उत्पादक दायित्व”(Extended Producer's Responsibility) से इसके जीवन तक उत्पाद के पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ के लिए उत्पादक का दायित्व अभिप्रेत है;

“खाद्य पदार्थ”(Food-Stuffs) से द्रव, चूर्ण, ठोस या अर्ध ठोस रूप में खाने के लिए तैयार खाद्य पदार्थ, फास्ट फूड, प्रसंस्कृत या पकाए हुए खाद्य पदार्थ अभिप्रेत है;

“सुविधा”(Facility) से प्लास्टिक अपशिष्ट के एकत्रण, भंडारण, पुनः चक्रीकरण, प्रसंस्करण और निपटान के लिए उपयोग किये जाने वाला परिसर अभिप्रेत है;

“आयातकर्ता”(Importer) से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो आयात करता है या करने का इरादा रखता है और जिसके पास आयात-निर्यात करते का लाइसेंस है, जब तक उसे अन्यथा विशेष रूप से छूट नहीं दी गई हो;

“संस्थागत अपशिष्ट जनित्र” (Institutional Waste generators) से केंद्रीय सरकारी विभाग, राज्य सरकारी विभाग, पब्लिक या प्राइवेट सेक्टर कंपनियां, अस्पताल, स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय या शिक्षा के अन्य स्थल, संगठन, अकादमी, होटल, रेस्तरां, मॉल और शॉपिंग परिसरों द्वारा अधिकृत भवन जैसे संस्थागत भवनों का अधिभोगी अभिप्रेत है और सम्मिलित है;

“नगरीय निकाय”(Local Body) से राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 के प्रारंभ के समय विद्यमान या उसके उपबंधों के अनुसार गठित कोई नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका बोर्ड अभिप्रेत है;

“विनिर्माता”(Manufacturer) से उत्पादक द्वारा कच्ची सामग्री के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली प्लास्टिक की कच्ची सामग्री के उत्पादन में लगा व्यक्ति या इकाई या अभिकरण अभिप्रेत है जो सम्मिलित है;

“बहुस्तरीय पैकेजिंग”(Multi-layered packaging) के लिए प्रयुक्त य प्रयुक्त की जाने वाली कोई सामग्री अभिप्रेत है और कागज, काज बोर्ड, बहुलक्ष्य सामग्रीयां, धात्विक सतहों या एल्युमिनियम पन्नीयां जो या तो लैमिनेट के रूप में या सह-बहिर्वेधन रूप में जैसे सामग्री के एक से अधिक सतह का संयोजन मुख्य संघटको के रूप में प्लास्टिक का कम से कम स्तर रखती है;

“प्लास्टिक”(Plastic) से ऐसी सामग्री अभिप्रेत है जिसमें पॉलीवाइलिन टेरफेथेलेट, उच्च घनत्व पॉलीथाइलीन विनाइल कम घनत्व पॉलीथाइलीन, पॉलीप्रोपीलीन, पॉलीस्टाइरीन, रेसिन, एक्रीलोनीट्रीडलीन, बेटाडीन स्टाइरीन जैसी बहु सामग्री, पॉलीफिनाइलीन ऑक्साइड, पॉलीकार्बोनेट, पॉलीबूटीलीन टेरफिथालेट जैसी उच्च पॉलीमर के आवश्यक तत्व अन्तर्विष्ट है;

“प्लास्टिक चद्वर”(Plastic Sheet) से अभिप्रेत है प्लास्टिक से बनी चद्वर;

“प्लास्टिक अपशिष्ट”(Plastic Waste) से ऐसे किसी प्लास्टिक से अभिप्रेत है जिसे उपयोग के पश्चात या आशयित उपयोग के पश्चात फेंक दिया जाता है;

“विहित प्राधिकारी”(Prescribed Authority) राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल अभिप्रेत है;

“उत्पादक”(Producer) से कैरी बैग या बहुस्तरीय पैकेजिंग या प्लास्टिक शीट या जैसे के विनिर्माण या आयात में लगा व्यक्ति अभिप्रेत है और प्लास्टिक शीट या जैसे प्लास्टिक शीट के बनाए गए कवर या वस्तु की पैकेजिंग या ढकने के लिए बहुस्तरीय पैकेजिंग का उपयोग कर रहे उद्योग या व्यक्ति सम्मिलित है;

“पुनःचक्रीकरण”(Recycling) नए उत्पाद उत्पादित करने के लिए पृथक्कृत प्लास्टिक अपशिष्ट को नएउत्पाद या कच्ची सामग्री में रूपांतरित करने की प्रक्रिया से अभिप्रेत है;

“रजिस्ट्रीकरण”(Registration) से यथास्थिति, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या संबद्ध प्रदूषण नियंत्रण समिति में रजिस्ट्रीकृत अभिप्रेत है;

“पथ विक्रेता” (Street Vender) का वही अर्थ होगा जो पथ विक्रेता (आजीविका का संरक्षण और पथ विक्रय का विनियमन) अधिनियम, 2014 (2014 का केंद्रीय अधिनियम संख्या 7) की धारा 2 की उप-धारा (1) के खंड (1) में है;

“अप्रयुक्त प्लास्टिक”(Virgin Plastic) से ऐसी प्लास्टिक सामग्री अभिप्रेत है जिसका पहले उपयोग नहीं किया गया है या रद्दी या अपशिष्ट के साथ भी सम्मिश्रित नहीं किया गया है;

“अपशिष्ट जनित्र”(Waste Generators) से प्रत्येक व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह या संस्थान भारतीय रेल, विमानपत्तन और रक्षा कन्टून्मेंटजो अपशिष्ट प्लास्टिक पैदा करते हैं, सहित रिहायसी और वाणिज्यिक स्थापना अभिप्रेत है और सम्मिलित है;

“अपशिष्ट प्रबंध”(Waste Management) से प्लास्टिक अपशिष्ट का पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित पद्धति से एकत्रण, भंडारण, परिवहन, पुनः उपयोग, पुनः प्राप्ति, पुनः चक्रण, कंपोस्टिंग या व्ययन अभिप्रेत है;

“अपशिष्ट चुनने वाले”(Waste Pickers) से पुनः चक्रण योग्य प्लास्टिक अपशिष्ट के चुनने में स्वैच्छिक रूप से लगे या प्राधिकृत किए गए व्यक्ति या एजेंसियां, व्यक्तियों का समूह अभिप्रेत है;

ठेकेदार”(Contractor) से ऐसा व्यक्ति या फर्म अभिप्रेत है जो कोई सेवा करने के लिए या सेवा प्रदाता प्राधिकारी के लिए कार्य करने के लिए सामग्री या श्रम प्रदान करने की संविदा करता है या करती है;

“डिलीवरी”(Delivery) से नगरीय निकाय द्वारा अधिकृत व्यक्ति को अपशिष्ट देना;

“शुष्क अपशिष्ट”(Dry Waste) से जैव-निम्नीकरण अपशिष्ट और निष्क्रिय गली का कूड़ा-करकट से भिन्न अपशिष्ट अभिप्रेत है और जिसके अंतर्गत पुनर्चक्रणीय अपशिष्ट, गैर पुनर्चक्रणीय अपशिष्ट दाह्य अपशिष्ट और स्वास्थ्यकर नैपकिन और डायपर आदि अपशिष्ट भी हैं;

“जुर्माना”(Fine) राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 258 के अधीन जुर्माना तथा पर्यावरण विभाग की अधिसूचना क्रमांक प. 8(1)/पर्या/99/पार्ट.जयपुर दिनांक 21.07.2010 के अधीन की गई कार्यवाही में लगाए गए जुर्माना अभिप्रेत हैं;

“सामग्री पुनःप्राप्ति सुविधा”(Material Recovery facility) से ऐसी सुविधा अभिप्रेत है जहां गैर कंपोस्टीय ठोस अपशिष्ट को नगरीय निकाय या अन्य अस्तित्व के द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति या अभिकरण जो अपशिष्ट को प्रसंस्करण या निपटान के लिए उसे परिदान या देने के पूर्व इस प्रयोजन के लिए नगरी निकाय द्वारा नियोजित अपशिष्ट चुनने वाले अनौपचारिक पुनर्चक्रणकर्ता या कोई अन्य नियोजित कार्यबल को प्राधिकृत अनौपचारित सेक्टर द्वारा अपशिष्ट के विभिन्न संघटकों से पृथक्करण,छंटाई या पुनर्चक्रण योग्य की पुनःप्राप्ति की प्रसुविधा है;

“पुनर्चक्रण”(Recycling) से पृथक्कृत ठोस अपशिष्ट को अजैव निम्नीकृत नए पदार्थ या उत्पाद या नए उत्पादों का उत्पादन करने के लिए कच्ची सामग्री के रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया अभिप्रेत है, जिसमें मूल उत्पादों को समरूप किया जा सकेगा या नहीं किया जा सकेगा;

“कचरा व्युत्पन्न ईंधन ”(Refuse Derived Fuel) से ठोस अपशिष्ट, जैसे प्लास्टिक, काष्ठ, लुगदी या कार्बनिक अपशिष्ट, कलोरीनीकृत पदार्थों से भिन्न ठोस अपशिष्ट को सुखाकर कतरन, निर्जलीकरण और सहनन द्वारा गुटिका या रोएं के कप में उत्पादित बाह्य अपशिष्ट प्रभाजी से व्युत्पन्न ईंधन अभिप्रेत है;

“पृथक्करण”(Segregation) से ठोस अपशिष्ट के विभिन्न संघटकों अर्थात् जैविक निम्नीकरण अपशिष्ट जिसके अंतर्गत कृषि और दुग्धपालन अपशिष्ट अजैविक निम्नीकरण अपशिष्ट जिसके अंतर्गत पुनः चक्रणयोग्य अपशिष्ट, गैर पुनः चक्रणयोग्य, बाह्ययोग्य अपशिष्ट, स्वास्थ्यकर अपशिष्ट और गैर चक्रण योग्य कूड़ाकरकट अपशिष्ट, घरेलू परिसंकटमय अपशिष्ट तथा संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट भी है कि छंटाई और पृथक भंडारण अभिप्रेत है;

“छंटाई करना”(Sorting) से मिश्रित अपशिष्ट पुनः चक्रणयोग्य विभिन्न संघटनों और प्रवर्गों जैसे कागज, प्लास्टिक, गत्ता, धातु, कांच आदि को समुचित पुनःचक्रण सुविधा में पृथक करना अभिप्रेत है;

“उपचार”(Treatment) से किसी अपशिष्ट के भौतिक रसायनिक या जैविक लक्षणों या संघटन में रूपांतरण की अभिहित पद्धति तकनीकी या प्रक्रिया अभिप्रेत है जिससे उसके आयतन और क्षितिकारक क्षमता को कम करता है;

“उपभोक्ता फीस”(User fee) से ठोस अपशिष्ट संग्रहण परिवहन प्रसंस्करण और निपटान सेवाओं को उपलब्ध कराने की कुल या आंशिक लागत को प्राप्ति करने में अपशिष्ट जनित पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 के नियम 2 में वर्णित किसी संस्था द्वारा अधिरोपित फीस अभिप्रेत है ।

(2) इन उप-विधियों में जिन शब्दों और पदों को परिभाषित नहीं किया गया है, परंतु जो पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986, जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977, वायु(जल प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम 1981, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, अपशिष्ट प्लास्टिक नियम, 2016, समय-समय पर यथा संशोधित तथा राजस्थान नगर पालिका अधिनियम, 2009 में परिभाषित है, उनके वही अर्थ होंगे जो संबंधित अधिनियमों व नियमों में हैं।

नगरीय निकायों का दायित्व.-प्रत्येक नगरिय निकाय के निम्न दायित्व होंगे:-

ऐसा प्लास्टिक अपशिष्ट जिसे पुनःचक्रित किया जा सकता हो, को मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी/ट्रांसफर स्टेशन पर सॉलिड वेस्ट से पृथक कर रैग पिकर्स/स्वयं सहायता संगठन के माध्यम से रजिस्ट्रीकृत प्लास्टिक अपशिष्ट पुनःचक्रक को पहुंचाया जाएगा;

प्लास्टिक अपशिष्ट जिसका पुनःचक्रीकरण नहीं किया जा सकता, को सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा जारी परिपत्र व दिशा-निर्देशों के अनुसार सड़क निर्माण में उपयोग करने या पुनः ऊर्जा प्राप्त करने के लिए रिफ्यूज डेराइव्ड फ्यूल(आरडीएफ) के रूप में औद्योगिक इकाइयों में प्रयोग हेतु दिया जाएगा;

तापस्थायी प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रसंस्करण और व्ययन राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाएगा;

प्लास्टिक अपशिष्ट के पुनः चक्रण या प्रसंस्करण की सुविधाओं के अक्रिय (Inert) का व्ययन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के प्रावधान एवं इनमें समय-समय पर किए गए संशोधनों के तहत किया जाएगा;

स्वयं या किसी एजेंसी के माध्यम से ठोस अपशिष्ट के साथ मिश्रित प्लास्टिक वेस्ट को मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी/ट्रांसफर स्टेशन पर सॉलिड वेस्ट से पृथक कर उसका भंडारण, परिवहन तथा व्ययन करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि इस प्रक्रिया के दौरान पर्यावरण को कोई हानि न हो;

सभी पणधारियों (Steckholders) में उनके उत्तरदायित्व के लिए जागृति पैदा करेंगे;

अपशिष्ट चुनने वालों के साथ कार्य कर रहे सिविल सोसाइटी या समूहों को लगाया जायेगा और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्लास्टिक अपशिष्ट को खुले में न जलाया जाए;

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंध के लिए प्रणाली निर्धारित करने के लिए उत्पादकों (Producers) की सहायता लेना;

नगरीय निकायों के क्षमता निर्माण (Capacity building) तथा स्रोत पर अपशिष्ट के पृथक्करण एवं परिवहन या प्रसंस्करण की व्यवस्था करना।

अपशिष्ट चुनने वालों और अपशिष्ट के व्यापारियों का पंजीकरण करना;

राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 धारा 258 के अनुसार प्लास्टिक थैलियों के विक्रय करने उपयोग करने को प्रतिबंधित या वर्जित करने की कार्यवाही की जाएगी तथा ऐसे प्रतिबंध के क्रियान्वयन का दायित्व संबंधित नगरीय निकाय के आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी एवं उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी पर होगा; और

प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक संबद्ध राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को अपशिष्ट प्लास्टिक नियम, 2016, समय-समय पर यथा संशोधित में विहित प्रारूप-V में वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड.-(1) राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अपशिष्ट प्लास्टिक नियम, 2016, समय-समय पर यथा संशोधित के प्रावधानों को प्रवर्त करने के लिए प्राधिकारी होगा।

(2) राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रत्येक उत्पादनकर्ता (Producer) व ब्रांड स्वामी (Brand Owner) का रजिस्ट्रेशन/नवीनीकरण किया जाएगा।

(3) राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ऐसे कोई व्यक्ति जो कैरी बैग और बहुस्तरीय प्लास्टिकों या प्लास्टिक अपशिष्ट का पुनःचक्रण करता है या प्रस्ताव करता है, का अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबंधन (संशोधित) नियम, 2018 के अनुसार रजिस्ट्रेशन/नवीनीकरण किया जाएगा।

खुदरा विक्रेताओं और पथ विक्रेताओं का दायित्व.-(1) खुदरा विक्रेता या पथ विक्रेता उपभोक्ता को ऐसे कैरी बैग या प्लास्टिक शीट या बहुस्तरीय पैकेजिंग में, जो अपशिष्ट प्लास्टिक नियम, 2016, समय-समय पर यथा संशोधित के अधीन विहितानुसार विनिर्मित या लेबल लगे या चिन्हित नहीं हैं, वस्तु नहीं बेचेगा ना ही उपलब्ध कराएगा।

(2) प्लास्टिक कैरी बैग बहुस्तरीय पैकेजिंग या प्लास्टिक शीट या इसी प्रकार या ऐसे प्लास्टिक शीट से बने जो अपशिष्ट प्लास्टिक नियम, 2016, समय-समय पर यथा संशोधित के अनुसार विनिर्मित या लेबलिंग या चिन्हित नहीं हैं, वस्तुओं को बेचने या उपलब्ध कराने वाला प्रत्येक खुदरा विक्रेता या पथ विक्रेता ऐसा जुर्माना देने का दायी होगा जो नगरीय निकायों की उप-विधियों में विनिर्दिष्ट हो

अपशिष्ट प्लास्टिक का भंडारण.-(1) राज्य के सभी नगरीय निकाय अपने स्तर पर अथवा उसके द्वारा अधिकृत किए गए क्षेत्रीय संविदाकारों के माध्यम से अपशिष्ट प्लास्टिक के भंडारण सुविधाओं (एमआरएफ फैसिलिटी) की स्थापना और उनका अनुरक्षण ऐसी रीति से करेगा जिससे कि इसके आस-पास अस्वास्थ्यकर/अस्वच्छकारी परिस्थितियां पैदा न हो।

(2) शहर में स्थित सभी कॉपरेटिव सोसाइटीज, एसोसिएशन, आवासीय एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के प्रबंधन की यह जिम्मेदारी होगी कि वे आवश्यक घनत्व के उपयुक्त स्थानों पर आवश्यक संख्या में अपने स्वयं के कंटेनर्स जिसकी डिजाइन नगरीय निकाय से अनुमोदित हो, अपने परिसर में स्थापित करें ताकि वहां उत्सर्जित दैनिक कचरे का भलीभांति पृथक-पृथक भंडारण हो सके, जिसमें नगरीय निकाय के वाहनों से समयबद्ध खाली करवाने हेतु वे नगरीय निकाय को देय यूजर चार्ज पर अनुबंध कर वाहनों की व्यवस्था करवा सकेंगे।

प्लास्टिक अपशिष्टों का परिवहन.-प्लास्टिक अपशिष्टों का परिवहन ठोस अपशिष्ट के परिवहन में लगे वाहनों (कवर्ड व्हीकल) से ही किया जाएगा।

नगरीय प्लास्टिक अपशिष्टों का रीसाइक्लिंग व रियूज.- नगरीय निकायों द्वारा उनके क्षेत्रों में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले प्लास्टिक अपशिष्टों को (एमआरएफ फैसिलिटी)/ट्रांसफर स्टेशन पर छटनी कर रीसाइक्लिंग हेतु दिया जावेगा। शेष प्लास्टिक को रोड कंस्ट्रक्शन में प्रयोग करने तथा वेस्ट टू एनर्जी/आरडीएफ के रूप में राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के निर्देशानुसार औद्योगिक इकाइयों को दिया जावेगा।

नगरीय प्लास्टिक अपशिष्टों का व्ययन.- नगरीय निकाय द्वारा प्लास्टिक वेस्ट से बचे इनर्ट का अपने लैंडफिल साईट पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 की अनुसूची-I के प्रावधानानुसार व्ययन किया जाएगा।

औचक निरीक्षण.-नगरीय निकाय द्वारा अधिकृत अधिकारी प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन हेतु अपनाई जा रही कार्यप्रणाली का औचक निरीक्षण कर सकेगा। अपशिष्ट प्लास्टिक नियम, 2016, समय-समय पर यथा संशोधित के अनुसार प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नहीं होने की स्थिति में कार्यवाही करेगा।

अभियोजन/जुर्माना.-इन उप-विधियों के किसी भी प्रावधान की पालना नहीं करने अथवा उसका उल्लंघन करने पर राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 258 के अधीन जुर्माना तथा पर्यावरण विभाग की अधिसूचना क्रमांक प.8(1)/पर्या/99/पाट.जयपुर दिनांक 21.07.2010 के अधीन अभियोजन/जुर्माना अधिरोपित करने की कार्यवाही की जाएगी।

निरसन और व्यावृत्तिया.-(1) जहां कि यह उप-विधियां पूर्व में लागू उप-विधियां/परिपत्र/आदेश इन उप-विधियों में सम्मिलित किए गए प्रावधानों की सीमा तक निरसित हो जाएंगे:

परंतु यह कि ऐसा निरसन,-

निरसित उप-विधियां/परिपत्र/आदेशके पूर्व प्रवर्तन पर अथवा तद्दीन सम्यक रूप से की गई या सहन की गई किसी बात पर प्रभाव नहीं डालेगा;

निरसित उप-विधियां/परिपत्र/आदेश के अधीन अर्जित, प्रोद्भूत या उपगत किसी अधिकार, विशेष अधिकार, बाध्यता या दायित्व पर प्रभाव नहीं डालेगा;

निरसित उप-विधियां/परिपत्र/आदेश के विरुद्ध किए गए किसी अपराध की बाबत उपगत किसी शास्ति, समपहण या दंड पर प्रभाव नहीं डालेगा; अथवा

किसी यथा पूर्वक ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता, दायित्व, शास्ति, समपहण या दण्ड के बारे में किसी अन्वेक्षण, विधिक कार्यवाही या उपचार पर प्रभाव नहीं डालेगा,

और ऐसा कोई भी अन्वेक्षण, विधिक कार्यवाही या उपचार इस प्रकार संस्थित, चालू या प्रवर्तनशील रखा जा सकेगा और ऐसी कोई भी शास्ति, समपहण या दंड इस प्रकार अधिरोपित किया जा सकेगा मानो ऐसा निरसन करने वाली उप-विधियां जारी ही नहीं की गई हो।

राज्यपाल की आज्ञा से,
उज्ज्वल राठौड़,
निदेशक एवं संयुक्त सचिव

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।